TRUST-MINUTES OF THE FIRST MEETING

RAZR.1

"अतिही वात्व किया अनार कंशान की मना कृष महत्त्वा कंतिकी के शानों (बेंब्यक तेड कर्जि) आया कुमालप् १६६८ कि. तरहरूत ततीरत र भागत वर्षरक्ष पुरस्तारका हों। उपासीत इतिवी ने तारा—

> म्हासा गाभीती वैतिक भरत मोरत ही भावनीय सेर अन्तेरीजावजी भीरूर सेर अन्तेर जाती मार्गा

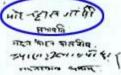
- (९) मिल्ला हुमा हि संस्थाना ताम दोरस-- नारी अस्ट्राचीलाम शता ताम प्रोट स्ट्रस्ट ताम 'भारते ही साम विश्वाप्रभादे संस्था 'श्वास नाम |
- (2) सिलाम हुएता है तो हत्या करता है जात हन द्वार भी पूंत्री अनुन कार्त है जाता की रोग्या जारी तहा उसने कार्य पात है क्या में के ती कार्य की है है जा ती हहीं भी ता को "अववित्य दिश्या करता है होती के तह भी ता है
- (3) मिलाक्युका से पूर्व करें दृश्ये हैं हैं नाम में भीत केंद्रों अनुत करते शिवादी करेंद्रे अवत्यासम्बद्धिक स्टिक्ट करेंद्रे त्या करें।
- (४) विकास क्षा दि में को क्ष्या गर्मा वार्त वार्त क्षेत्र कार्त के कार्त में वार्त की क्ष्य के कार्त में वार्त की कार्त की कार्त की कार्त की कार्त की कार्त कार्त कार्त की कार्त की कार्त की कार्त कार्त की कार्त कार्त
- (4) विकास इ.इ. दि अध्युक्त महत्त्व वार्ता केर्य

Seen notel

(१.) मीरामा हुमा कि एक अवार अध्यापक १९४०) देशमें स्तरीह दर शाम गाम

() ति काम दुसर दि समा नार्तने अपूर्तिक ते तो दल द्वारा द्वारीशी में शास्त्रीकर

(C) RAME IN A
LETEN Y WARD A
AUGUSTAL ST.



ENGLISH VERSION OF THE ORIGINAL MINUTES

'Shrihari'

Ameeting of 'Anandilal Vidya Prachar Sanstha' was held at the place of Pujya Mahatma Gandhiji (Labournam Road, Bombay) on Miti-Shravan Krishna 15, Samvat 1978, that is on August 2, 1922. The names of the Trustees present:

> Mahatma Gandhiji Pandit Madan Mohanji Malviya Seth Anandilalji Podar Seth Jamnalalji Bajaj

- It was decided that the institution be named 'Shekhawati Brahmcharya Ashram' and the Trust be named 'Anandilal Vidya Prachar Sanstha', (Anandilal Eduction Society).
- It was decided that the capital of Rs. 2,01,000 (Two lac one thousand), given by Shriyut Anandilalji for the development of education in Shekhawati and neighbouring region, be withdrawn from Tilak Swaraj Fund and deposited with the capital of 'Anandilal Vidya Prachar Sanstha' in the name of the aforementioned four trustees.
- It was decided that the capital be deposited in the name of the four trustees in whichever bank Shriyut Anandilalji and Jamnalalji found it appropriate.
- It was decided that money could be withdrawn from the bank through the signatures of these two gentlemen; Jamnalalji Bajaj and Anandilalji Podar.
- It was decided that Shriyut Maganlalji Gandhi at Ahmedabad be written to prepare a scheme for studies.
- It was decided that a Head Master be kept at Rs. 150 (Rs. One Hundred fifty) per month.
- It was decided that in the event of inconvenience in organising meeting, the functioning be carried out by obtaining suggestions from the trustees by post.
- It was decided that Mahatma Gandhiji would be the President of this Institution.

Sd/-Mohandas Gandhi President Madan Mohan Malviya Anandilal Podar Jamnalal Bajaj